121

प्राथमिकता / समयबद्ध

संख्या–893 /XVIII(II)/13–1(17)/2008

प्रेषक,

भास्करानन्द,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

सचिव एवं आयुक्त,
राजस्व परिषद,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

राजस्व अनुभाग–2

देहरादूनः दिनांकः 8 मार्च, 2013

विषय–भू अभिलेखों के कम्प्यूटरीकरण (सी0एल0आर0), राजस्व प्रशासन का सुदृढ़ीकरण एवं भू अभिलेखों का अद्यतनीकरण (एस0आर0ए0 एवं यू0एल0आर) तथा राष्ट्रीय भू अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (एन0एल0आर0एम0पी0) के लिए भारत सरकार से निर्गत धनराशि एवं उसके उपयोग की स्थिति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक संदर्भ में अनुसचिव, भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्र सं0–22011/01/2012–एल0आर0डी0 दि0–7.11.2012 एवं प्रश्नगत योजनाओं हेतु भारत सरकार के स्तर से निर्गत धनराशि का विवरण संलग्न कर प्रेषित करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कृपया उक्त सभी योजनाओं के लिए भारत सरकार के शासनादेशानुसार प्राप्त धनराशि की स्थिति स्पष्ट करते हुए इस कम में शासन स्तर से स्वीकृत धनराशि के उपयोग की उपयोगिता प्रमाण पत्र सहित विस्तृत अद्यतन स्थिति से प्राथमिकता के आधार पर शासन को एक सप्ताह के भीतर अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक यथोपरि

भवदीय,

(भास्करानन्द)
सचिव।

पृ0प0संख्या–893 /समदिनांकित/2013

प्रतिलिपि–निम्नलिखित को भारत सरकार के उक्त पत्र दि0–7.11.2012 एवं संबंधित विवरण की प्रति सहित इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि कृपया भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2005–06 एवं 2006–07 में भू अभिलेखों के कम्प्यूटरीकरण के अंतर्गत स्कैनिग एवं डिजीटाईजेशन मद में निर्गत धनराशि की प्रास्थिति स्पष्ट करने का कष्ट करें।

1– अपर सचिव, वित्त विभाग (अनुभाग–5), उत्तराखण्ड शासन।
2– एस0आई0ओ0, एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड, सचिवालय परिसर, देहरादून।
3– बजट अधिकारी, बजट निदेशालय, उतराखण्ड, सचिवालय परिसर, देहरादून।
4– जिलाधिकारी, अल्मोड़ा एवं पौड़ी गढ़वाल।

आज्ञा से,

(भास्करानन्द)
सचिव।

1279GO